# भारत अंग्रेजों के शासन से आज़ाद हुआ

चित्र को ध्यान से देखो और उस पर बातचीत करो।

कितने तंबू हैं?

कितने अंग्रेज लोग हैं?

तुम उन्हें अलग से कैसे पहचान सकते हो?

अंग्रेजों के हवाले किए जाने पर टीपू के बेटों ने कैसा महसूस किया होगा? अगर टीपू अंग्रेजों से किए गए समझौते को तोड़ देता तो अंग्रेज उसका क्या नुकसान कर सकते थे?

तुमने सुना होगा कि सन् 1947 तक अपने देश पर अंग्रेजों का राज था। अंग्रेज़ों के ज़माने की बातें कई बार की जाती हैं। क्या तुमने ऐसी बातें कभी सुनी हैं? आपस में बातचीत करो और अपने से बड़ों से भी इस बारे में पूछो।

अंग्रेज़ लोग इंग्लैण्ड के रहने वाले है। इंग्लैण्ड भारत से बहुत दूर है। क्रिकेट के मैच खेलने इंग्लैण्ड के खिलाड़ियों की टीम भारत आती है या अपने देश की टीम इंग्लैण्ड जाती है। ये बातें तुम जानते होगे।

कई साल पहले (लगभग 50 साल पहले तक) इंग्लैण्ड देश की सरकार भारत पर राज करती थी। इंग्लैण्ड से लोग लगभग 300–400 साल पहले भारत आए थे। तब हवाई जहाज़ नहीं थे और समुद्री जहाज़ों से ही लोग दूर–दूर तक जाते थे। तब भारत में इंग्लैण्ड के लोगों ने भारत के राजा–महाराजाओं को डरा–धमकाकर और लड़ाई में हराकर धीरे–धीरे, शासन करने का काम अपने हाथों में ले लिया।

1793 में मैसूर का शासक टीपू सुल्तान अंग्रेज़ों से हार गया। उसे हारकर अंग्रेजों के साथ समझौता करना पड़ा। जब अंग्रेज़ शुरू–शुरू में आए थे, तब मैसूर में (जो आज कर्नाटक में है) टीपू सुल्तान का राज था।

इस चित्र में दिखाया गया है कि टीपू सुल्तान के बेटों को अंग्रेजों के हवाले किया जा रहा है। यह इसलिए किया गया ताकि टीपू अपने समझौते को तोड़े नहीं।

फिर 35 साल बाद 1858 में गवर्नर–जनरल लार्ड केनिंग का दरबार इस चित्र में दिखाया गया है। केनिंग भारत के उन राजाओं, मुखियाओं व सरदारों को भेंट दे रहे हैं जो अंग्रेज़ों की तरफ थे, उनकी बात मानते थे।

दरबार में लोगों के लिए क्या इंतज़ाम किए गए लगते हैं? इन लोगों का एक दूसरे से क्या रिश्ता हो सकता है?

तुम्हें लोगों की अलग–अलग तरह की पोशाकें मज़ेदार लग रही होगी। कितनी तरह की पोशाकें हैं? लार्ड केनिंग के लिए जो पंखा झला जा रहा है, वो भी मज़ेदार है– क्या तुम उसका चित्र बनाना चाहोगे?

अंग्रेज शासक हर तरफ से अपने व अपने देश इंग्लैण्ड के फायदे की बात सोचा करते थे। वे भारत में शासन इस तरह चलाते थे कि इंग्लैण्ड के व्यापार, कारखानों व लोगों का फायदा हो।

इसलिए यह कहा जाता है कि हमारा देश अंग्रेज़ सरकार का गुलाम था, या हम परतंत्र थे।

अंग्रेज शासन से भारत के लोगों का बहुत नुकसान हुआ। जैसे इंग्लैण्ड के कारखाने में मशीनों से कपड़े बनाए जाने लगे थे। ये कपड़े सस्ते भी होते थे। अंग्रेज़ व्यापारी बहुत बड़ी मात्रा में ये सस्ते कपड़े भारत में बेचने लगे। इस वजह से अपने देश के जुलाहों व बुनकरों का बहुत नुकसान हुआ।

शिक्षक ध्यान दें– आज ग्रेट ब्रिटेन नाम का जो देश है, उसका एक हिस्सा है इंग्लैण्ड। इंग्लैण्ड के अलावा स्कॉटलैण्ड, वेल्स व आयरलैण्ड भी ग्रेट ब्रिटेन देश का हिस्सा है। आज इंग्लैण्ड नाम का कोई देश नहीं है

सबसे ज़्यादा दिक्कत की बात यह थी कि भारत के लोगों की बात सुनी नहीं जाती थी। क्या ठीक है– क्या नहीं– यह लोगों से पूछा नहीं जाता था।

# स्वतंत्रता संग्राम

भारत में हर जगह लोग अंग्रेज़ शासकों से परेशान थे। वे एक दूसरे की तकलीफों को समझने की कोशिश करने लगे थे। धीरे–धीरे लोगों के मन में एक भाव आया कि हम लोग मिलकर अपना शासन चलाएँ। अपनी तकलीफों को दूर करें– और एक खुशहाल देश बनाएँ। इसके लिए सबसे पहले अंग्रेज़ शासकों को देश से हटाना पड़ेगा।

अंग्रेज़ शासकों से देश को आज़ाद करने के लिए लोग जूझने लगे। इसी को स्वतंत्रता संग्राम भी कहा जाता है।

स्वतंत्रता संग्राम या आज़ादी की लड़ाई का मतलब है अपने देश पर से दूसरे देश इंग्लैण्ड के राज को हटाने के लिए विदेशी सरकार से लड़ाई करना। तुमने पिछली किताब में एक कविता पढ़ी थी– पानी और धूप। उसकी लेखिका सुभद्रा कुमारी चौहान ने भी स्वतंत्रता की लड़ाई में भाग लिया। कई बार इंग्लैण्ड की सरकार ने उन्हें जेल में डाला। उनकी तरह सरकार का विरोध करने वाले कई लोगों को जेल में डाला जाता था।

लोग कई तरीकों से जुझे। कुछ लोगों ने अंग्रेज़ों के खिलाफ अखबारों में लिखना शुरू किया।

कुछ लोगों ने बन्दूक और बम के सहारे अंग्रेज़ लोगों को डराना शुरू किया।

कुछ लोगों ने अंग्रेज सरकार की इमारतों, रेल लाईनों पर हमला किया।

महात्मा गाँधी का नाम तुमने जरूर सुना होगा और उनकी तस्वीर भी देखी होगी। उन्होंने जूझने का एक नया तरीका बताया। उन्होंने कहा, कि सरकार के पास बहुत ताकत है, सेना और हथियार है। हम सीधे टक्कर लेंगे तो वह हमें अपनी ताकत से दबा देगी। हमें एक अलग काम करना चाहिए। यदि सरकार लोगों का ख्याल नहीं रखती है, तो लोगों को उसके कानून मानने से मना कर देना चाहिए। सरकार के दफ्तरों से नौकरी छोड़ देनी चाहिए। ब्रिटिश कारखानों का बना कपड़ा खरीदना ही नहीं चाहिए। अगर लोग सरकार का साथ ही नहीं देंगे तो सरकार लोगों पर शासन नहीं कर पाएगी।

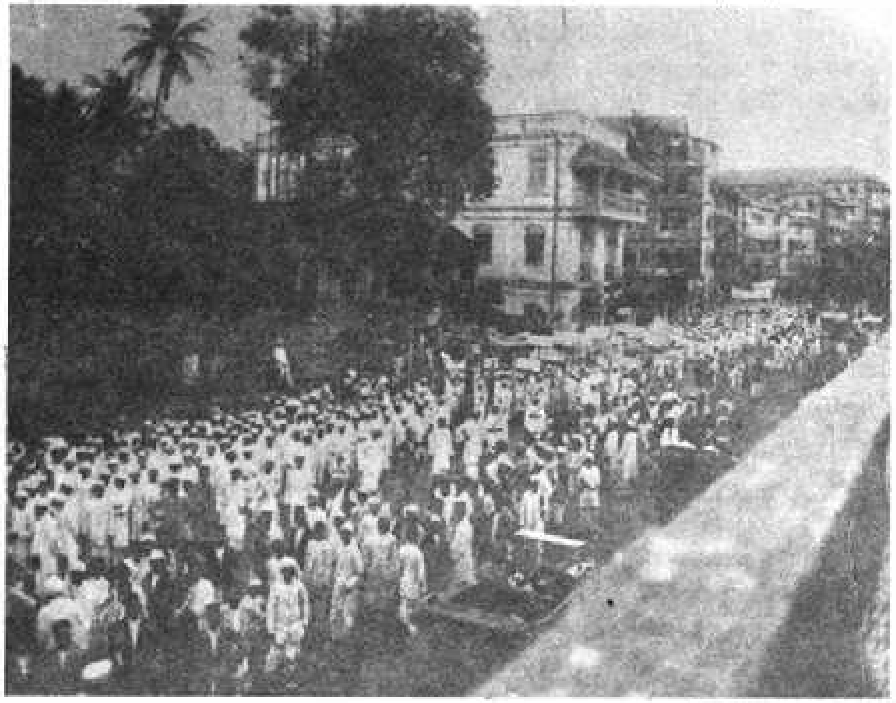

मुम्बई शहर की सड़कों पर भारतीय लोग जुलूस निकाल रहे हैं। वे कह रहे हैं कि हम अंग्रेज सरकार का साथ नहीं देंगे।

इस चित्र में दिख रही है मुम्बई शहर की कई मंजिला इमारतें। नीचे लम्बी सड़क पर लोगों का जुलूस चल रहा है। जुलूस के लोग सड़क पर आ कर यह कह रहे हैं कि हम अंग्रेज सरकार का साथ नहीं देंगे।

इस चित्र में गाँधीजी की पत्नी कस्तूरबा चरखे पर सूत कात रही हैं। उन दिनों अपने हाथों से सूत कातना स्वतत्रता की लड़ाई लड़ने का एक तरीका माना जाता था। धागे को सूत कहते हैं। सूत से कपड़ा बनता है। अंग्रेजी कपड़े का विरोध करने के लिए लोग सूत कातते थे। सूत कातकर हम अंग्रेजों को यह बताते थे कि भारत के लोग इंग्लैण्ड के कारखानों का कपड़ा नही पहनना चाहते .... हम अपने देश में सूत कातकर अपने कारीगरों के हाथों से बना कपड़ा पहनेंगे ताकि भारत के लोगों को लाभ मिले।

गाँधीजी ने लोगों को समझाया और यकीन दिलाया कि इस नए तरीके से सरकार को हराया जा सकता है और देश को आज़ाद किया जा सकता है। स्वतंत्रता के लिए लड़े गए संग्राम के कारण 15 अगस्त 1947 को ब्रिटिश शासन खत्म हुआ और भारत एक स्वतंत्र देश बना। देश में देशवासियों का ही शासन शुरू हुआ। आज इस बात को 53 साल हो गए हैं।

1946 लॉर्ड वैवेल के साथ जवाहरलाल नेहरू, सरदार वल्लभ भाई पटेल और राजेन्द्र प्रसाद। इस चित्र में बातचीत हो रही है कि अंग्रेज़ी सरकार कैसे व कब हटेगी। और भारतीय लोगों की सरकार कैसे व कब बनेगी।

अभ्यास

1. *'शासन करना' से तुम क्या समझते हो?*
2. *राजा– महाराजाओं का क्या काम होता था? अब राजा तो नहीं हैं, तो यह सब काम कौन करता है?*
3. *हमारा देश अंग्रेज़ सरकार का गुलाम था, ऐसा क्यों कहा जाता है?*
4. *तुमने कभी जुलूस निकलता देखा है? लोग वह जुलूस क्यों निकाल रहे थे? जुलूस निकालने और अलग–अलग लोगों से बात करने में क्या फर्क है?*
5. *भारत के लोगों ने देश को अंग्रेज़ों से मुक्त कराने के लिए क्या–क्या किया?*
6. *अब्बू खां की बकरी की कहानी याद है? बकरी भी अब्बू खां से आज़ादी चाहती थी। क्यों? उसने अपनी आज़ादी के लिए क्या किया था।*
7. *कक्षा 3 में तुमने एक और कहानी पढ़ी थी – आज़ादी और रोटी। इन सब से तुम आज़ादी का क्या मतलब समझते हो?*